Date:01/02/2025

भाषा विश्वविद्यालय और उत्तर–प्रदेश कुंग फू एसोसिएशन के बीच हुआ समझौता

विद्यार्थियों के बीच भारतीय मूल के आत्मरक्षा खेल के लिए तथा छात्रों को प्रैक्टिकल अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश कुंग फू एसोसिएशन लखनऊ ने एक महत्वपूर्ण समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, कुंग फू एसोसिएशन विश्वविद्यालय के छात्रों को भारतीय मूल के आत्मरक्षा खेल के माध्यम से प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य, एकाग्रता, आत्मरक्षा कौशल एवं सांस्कृतिक विकास हेतु किया जाएगा। इस साझेदारी के माध्यम से, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों कुंग फू एसोसिएशन लखनऊ द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त होगा। ये कार्यक्रम छात्रों को उनके व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव में वृद्धि करेंगे। समझौते पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान माननीय कुलपति प्रो. जे पी पांडेय के कुशल मार्गदर्शन में भाषा विश्वविद्यालय की तरफ से विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी साजिद आज़मी और कुंग फू एसोसिएशन लखनऊ के महासचिव ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, इस अवसर पर एमओयू समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला भी उपस्थित रहे।

Date:01/02/2025

भाषा विवि ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

ख्वाज़ा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय , लखनऊ के फार्मेसी संकाय द्वारा माननीय कुलपति प्रो0 जे पी पाण्डेय के कुशल निर्देशन में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ग्राम डिगुरिया निकट मुतक्कीपुर चौराहा लखनऊ में किया गया। शिविर में रक्त चाप परीक्षण, Spo2 एवं तापमान परीक्षण, बी.एम.आई परीक्षण, नाडी परीक्षण, मधुमेह परिक्षण, किये गये और प्राथमिक उपचार किट का भी वितरण किया गया। इस शिविर में फार्मेसी के छात्रों द्वारा ग्रामीणों को मधुमेह ,रक्त चाप, मलेरिया और दस्त रोग के बारे में घर-घर जाकर एवं पैम्पलेट वितरण द्वारा जागरुक किया गया स्वास्थ्य शिविर में बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। एवं लगभग 92 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

इस शिविर के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के सभी शिक्षको और छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भेषजी संकाय की निदेशक प्रो0 शालिनी त्रिपाठी ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों में स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था एवं भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। फार्मेसी संकाय की डीन प्रो0 चन्दना डे ने स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन के लिए छात्रों एवं शिक्षकों के प्रयास की सराहना की ।

भाषा विश्वविद्यालय में 'मीडिया लिटरेसी' पर वैल्यू एडेड कोर्स का शुभारंभ

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में *'मीडिया लिटरेसी'*पर ऑनलाइन वैल्यू एडेड कोर्स का आज शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे के मार्गदर्शन में शुरू किए गए इस कोर्स का पहला दिन उत्साहपूर्ण रहा।

इस अवसर पर कोर्स प्रभारी डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने मीडिया साक्षरता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मीडिया कंटेंट को समझने और उसका सही तरीके से उपयोग करने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कोर्स छात्रों को मीडिया कंटेंट की सटीक समझ विकसित करने में सहायक होगा।

कोर्स की समन्वयक चितवन मिश्रा और आज के सत्र की संचालिका ने प्रतिभागियों को कोर्स असाइनमेंट्स, इंटरैक्टिव एक्टिविटीज़ एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और 75% उपस्थिति पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस दौरान डॉ. काज़िम रिज़वी ने कोर्स का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और इसके लाभों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह कोर्स छात्रों को मीडिया के विभिन्न पहलुओं को गहराई से समझने में मदद करेगा।

गौरतलब है कि इस कोर्स में भाषा विश्वविद्यालय के अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU), लखनऊ विश्वविद्यालय, विद्यांत हिंदू पी.जी. कॉलेज और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी पंजीकरण किया है।

Date:04/02/2025

भाषा विश्वविद्यालय में "समर्थ" के कार्यान्वयन का अध्ययन करने पहुंचे आंध्र प्रदेश के कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय के प्रतिनिधि

आंध्र प्रदेश सरकार के कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय (Commissionerate of Collegiate Education, Government of Andhra Pradesh) के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज भाषा विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में "समर्थ" (SAMARTH) प्रणाली के सफल कार्यान्वयन का अध्ययन करना था।

"समर्थ" एक एकीकृत ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक एवं अकादमिक प्रक्रियाओं को डिजिटल और सुगम बनाता है। भाषा विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया है, जिससे प्रशासनिक कार्यों की दक्षता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ विस्तृत चर्चा की और "समर्थ" के विभिन्न पहलुओं, जैसे प्रवेश प्रक्रिया, छात्र प्रबंधन, परीक्षा प्रणाली और वित्तीय प्रशासन में इसके उपयोग पर जानकारी प्राप्त की। भाषा विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ अताउर रहमान ने परीक्षा नियंत्रक डॉ भावना मिश्रा के नेतृत्व में इस प्रणाली के प्रभाव और लाभों को साझा किया, जिससे भाषा विश्वविद्यालय में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा मिल सका है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० जे ० पी ० पाण्डे ने कहा, "हमें गर्व है कि भाषा विश्वविद्यालय 'समर्थ' के सफल कार्यान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। हमें खुशी है कि आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि यहां आकर इस मॉडल को समझ रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह प्रणाली उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक कुशल बनाएगी।"

आंध्र प्रदेश के कॉलेजिएट शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को इस जानकारीपूर्ण सत्र के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे यहां सीखी गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपने संस्थानों में लागू करने का प्रयास करेंगे।प्रतिनिधि मण्डल में डॉ कविथा, डॉ मणि, श्री रामजी, डॉ भास्कर रेड्डी, डॉ लक्ष्मण किशोर एवं डॉ सुधाकर पी० शामिल रहे।

इस महत्वपूर्ण बैठक ने उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और कदम बढ़ाने का अवसर प्रदान किया और भाषा विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की तरफ़ से प्रो सौबान सईद, प्रो हैदर अली, डॉ पूनम चौधरी, डॉ राजेंद्र त्रिपाठी सहित डॉ नीरज शुक्ला आदि मौज़ूद रहे।

Press Release

Representatives of Andhra Pradesh's Collegiate Education Commissionerate arrive to study the implementation of "Samarth" in the Language University

A delegation from the Commissionerate of Collegiate Education, Government of Andhra Pradesh visited the Language University today. The main purpose of this visit was to study the successful implementation of the "SAMARTH" system at the university.

"Samarth" is an integrated e-governance platform that digitises and streamlines administrative and academic processes in higher education institutions. The language university has implemented this system effectively, which has led to a significant increase in the efficiency and transparency of administrative work.

The delegation held detailed discussions with the university administration and obtained information on various aspects of "Samarth ", such as its use in admissions process, student management, examination system, Faculty Promotion and financial administration. Dr. Ataur Rahman, the nodal officer of the Language University, shared the impact and benefits of this system under the leadership of the Controller of Examinations Dr. Bhavana Mishra, thereby promoting digital transformation in the language university.

Speaking on the occasion, the Vice-Chancellor of the University, Prof. J.P. Pandey, said, "We are proud that the language university is setting an example of the successful implementation of 'Samarth'. We are happy that representatives of the Government of Andhra Pradesh have visited here to understand this model. We are confident that this system will make administrative processes in higher education institutions more efficient."

Officials from the Collegiate Education Department of Andhra Pradesh thanked the university administration for this informative session and said that they will try to implement the best practises learnt here in their institutions. The delegation included Dr. Kavitha, Dr. Mani, Shri Ramji, Dr. Bhaskar Reddy, Dr. Laxman Kishore and Dr. Sudhakar P.

This important meeting provided an opportunity to take another step towards digital transformation in higher education and further strengthened the reputation of the Language University.

On this occasion, Prof. Sauban Saeed, Prof. Haider Ali, Dr. Poonam Chaudhary, Dr. Rajendra Tripathi along with Dr. Neeraj Shukla etc. were present on behalf of the university.

Date:06/02/2025

माननीय कुलपति प्रो. जे. पी. पाण्डेय के कुशल निर्देशन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डी. फार्मा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) लखनऊ में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण दिनांक 6 फरवरी 2025 को किया।

इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, और अपशिष्ट निपटान की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्रदान करना था। डॉ. आयुष्मान गुप्ता, अधिशासी अभियंता (सिविल) के मार्गदर्शन में छात्रों को अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रिया, जैविक और रासायनिक उपचार विधियों, तथा पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व पर व्याख्यान दिया गया। छात्रों ने सीवेज ट्रीटमेंट के विभिन्न चरणों जैसे स्क्रीनिंग, सेडेटेशन, एयरेशन, और स्लज मैनेजमेंट का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्लांट की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से तकनीकी प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। छात्रों ने जल संरक्षण के महत्व और फार्मेसी क्षेत्र में इसके अनुप्रयोगों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों के साथ सहायक आचार्य विनोद कुमार, वरुणा, दिव्यानी सिंह एवं अमर कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को इस प्रकार के व्यावहारिक अनुभवों के महत्व पर बल दिया और कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक दृष्टिकोण से जोड़ने में सहायक होते हैं।

फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण को छात्रों के सर्वांगीण शैक्षिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल छात्रों के ज्ञानवर्धन में सहायक होती हैं, बल्कि उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को भी विकसित करती हैं। प्रो. त्रिपाठी ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक एवं औद्योगिक भ्रमण आयोजित करता रहेगा ताकि विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी और औद्योगिक प्रक्रियाओं से अवगत कराया जा सके।

छात्रों ने भी इस शैक्षिक भ्रमण को अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताया और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाषा विवि में हुआ फाईनाईट एलिमेंट मेथड व्याख्यान का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय लखनऊ के परिसर में फाईनाईट एलिमेंट मेथड पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया | व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में एस०एल०बी०, भारत के डॉ० सय्यद मुस्तफा काजिम रहे| कार्यक्रम के आरंभ में यांत्रिकी विभाग के सहायक आचार्य और इस कार्यशाला के सयोजक डॉ. सैयद असगर हुसैन रिज़वी ने विषय का परिचय दिया , विषय पे चर्चा करते हुए डॉ० मुस्तफा ने व्याख्यान में प्रतिभाग लेने वाले विद्यार्थियों को फाईनाईट एलिमेंट मेथड और इससे सम्बंधित अनुसंधान के बारे में विवरण देते हुए उसकी उपयोगिताएं समझाई | कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए उन्होंने फाईनाईट एलिमेंट मेथड का विभिन्न यांत्रिकी इकाइयों में उपयोग समझाया | इस व्याख्यान का समापन संकाय के निदेशक डॉ राजेंद्र कुमार त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन से किया | कार्यशाला के आयोजन में विशेष सहयोग विभाग के सहायक आचार्य ई. विवेक बाजपाई , ई. सत्येंद्र कुमार शुक्ला, ई. उन्नी किसन, ई. बीरेंद्र कुमार, ई. शकील अली एवं यांत्रिकी के छात्र-छात्राओं का रहा.

नार्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय के लिए हुई भाषा विवि की टीमें रवाना

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ मे माननीय कुलपति महोदय प्रो. जे0 पी0 पाण्डेय जी के कुशल मार्गदर्शन में 10-19 फरवरी 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में संपन्न होने वाली नॉर्थ ज़ोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों (पुरुष) की टीम को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया गया। प्रतियोगिता हेतु क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज शुक्ला द्वारा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी गयी इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मो. शारिक (सदस्य सचिव: क्रीडा परिषद), डॉ. राम दस, डॉ. आरिफ़ अब्बास, डॉ. हसन मेहदी एवं टीम मैनेजर श्री रविकेश कुमार मौर्य इत्यादि शिक्षक उपस्थित रहे।

भाषा विवि में हुआ परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के अटल सभागार में प्रातः11ः00 बजे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र उपस्थित रहे। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कार्यक्रम में छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिये एवं परीक्षा के समय तनाव मुक्त रहने की सलाह दी उन्होने छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 जय प्रकाश पाण्डे जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सफलता पूर्वक किया गया। छात्रों द्वारा पूर्ण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण ध्यानपूर्वक देखा गया। डीन, छात्र-कल्याण प्रो0 चन्दना डे के द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सफलता पूर्वक कराया गया। कार्यक्रम में प्रो0 फखरे आलम, डा॰0 तत्हीर फातिमा, डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी, डा॰0 पूनम चैधरी, डा॰0 मजहर खालिक, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. काज़िम रिज़वी और डा॰0 स्वेता अग्रवाल सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

Date:11/02/2025

अकादमिक परिषद की बैठक में भाषा विश्वविद्यालय ने क्रेडिट ट्रांसफर और ऑनलाइन शिक्षा के नए दिशा-निर्देशों को दी मंज़ूरी

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज अकादमिक परिषद की बैठक का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे की अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंज़ूरी दी गई। बैठक की शुरुआत में कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और एजेंडे के बिंदुओं से अवगत कराया। परिषद ने छात्रों के लिए क्रेडिट ट्रांसफर, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और शोध कार्य से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की, जिनका उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनता और लचीलापन लाना है।

बैठक में क्रेडिट ट्रांसफर और ऑनलाइन पाठ्यक्रम मोबिलिटी के दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन को स्वीकृति दी गई, जिससे छात्रों के लिए नामांकन की प्रक्रिया अधिक सुचारू और पारदर्शी होगी। विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा निर्धारित SWAYAM के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट फ्रेमवर्क, 2021 को भी अपनाने का निर्णय लिया। इससे विद्यार्थी SWAYAM, NPTEL और अन्य मान्यता प्राप्त MOOCs प्लेटफार्मों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। परिषद ने उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुरूप ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की मैपिंग और क्रेडिट ट्रांसफर नीति को लागू करने का प्रस्ताव भी पारित किया।

विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण और आवेदन पत्रों की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु परिषद ने SWAYAM नोडल अधिकारी द्वारा प्रस्तावित फॉर्मेट को मंज़ूरी दी, साथ ही ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन की अनुमति प्रक्रिया को औपचारिक बनाने के लिए एक नया अनुमति पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। परिषद ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के लिए SWAYAM सलाहकार समिति के गठन को भी स्वीकृति दी। इसके अतिरिक्त, पीएच.डी. समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद के प्रस्ताव पर परिषद ने पाँच शोधार्थियों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने की घोषणा की।

कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे ने परिषद के निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि ये पहल विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी प्रगति के प्रति प्रतिबद्ध है। बैठक में प्रो. बलराज चौहान, प्रो. एस. पी. शुक्ला, प्रो. रज़ा अब्बास नैय्यर, प्रो. हैदर अली, और प्रो. एहतेशाम अहमद, प्रो० शालिनी सहित कई वरिष्ठ शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

In the meeting of the Academic Council, the Language University approved the new guidelines for credit transfer OF SWAYAM COURSES

Khwaja Muinuddin Chishti Language University, Lucknow held a meeting of the Academic Council today. Hon'ble Vice Chancellor, Prof. J. P. Pandey presided over the meeting. Several important reforms in the academic policies of the university were approved in this meeting. At the beginning of the meeting, the Registrar Dr. Mahesh Kumar welcomed all the members and made the points of the agenda. The Council approved various proposals related to credit transfer, online courses and award of PhD degree for 05 scholars, aimed at bringing innovation and flexibility in the field of education.

The meeting approved the implementation of credit transfer and SWAYAM course mobility guidelines, which will make the enrolment process for students more smooth and transparent. The university also decided to adopt the Credit Framework, 2021 by the University Grants Commission (UGC). This will enable students to get education through SWAYAM, NPTEL, SWATAM PLUS, Industry and other recognised MOOCs platforms. The council also passed a resolution to implement the mapping and credit transfer policy of online courses in line with the directives of the Uttar Pradesh Higher Education Department.

In order to simplify the process of registration and application forms for students, the Council approved the format proposed by the SWAYAM Nodal Officer, as well as it was decided to issue a new permission letter to formalise the permission process of enrolment in online courses. The Council also approved the constitution of the SWAYAM Advisory Committee to monitor the quality and implementation of online courses. In addition, on the proposal of prof. Ehtesham Ahmed, Ph.D. Coordinator the council has approved the award of degree to five researchers.

Vice-Chancellor Prof. J. P. Appreciating the decisions of the Council, said that these initiatives are important steps towards improving the quality of education in the university and providing education to students in line with global standards. He also said that the university is committed to innovation and technological advancement in the field of education. At the meeting, Prof. Balraj Chauhan, Prof. S. P. Shukla, Prof. Raza Abbas Nayyar, Prof. Haider Ali along with the senior academicians including Prof. Tanveer Khadija , Prof. Shalini were present.

Date:12/02/2025

प्रोफेसर जय शंकर प्रसाद पाण्डेय बने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य

प्रोफेसर जय शंकर प्रसाद पाण्डेय, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग (परास्नातक एवं शोध), बप्पा श्री नारायण वोकेशनल पी.जी. कॉलेज (केकेवी), को भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश से वे एकमात्र व्यक्ति हैं, जिन्हें इस समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

समाज सेवा के प्रति प्रो. पाण्डेय की असीम निष्ठा और समर्पण भाव सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने बहुमूल्य समय से समाज को संगठित करने और संगठन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस प्रतिष्ठित समिति के अलावा प्रो० पांडे कई समितियों के सदस्य के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं ।उनकी यह नियुक्ति सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना का प्रतीक है।

Date:14/02/2025

प्रो. मुशीयर अहमद को नवोदय सम्मान से सम्मानित किया गया

प्रोफेसर मुशीयर अहमद को राष्ट्रीय सम्मेलन "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशन और समानता को बढ़ावा देना" में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, उत्तर प्रदेश राज्य शाखा, इंदिरा नगर, लखनऊ द्वारा नवोदय सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 14 फरवरी 2025 को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII), विभूतिखंड, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी ने यह पुरस्कार सौंपा, जो प्रो. अहमद की उल्लेखनीय उपलब्धियों और शिक्षा में समावेशन को बढ़ावा देने की उनकी अथक प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान करता है।

प्रोफेसर मुशीयर अहमद, जो ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग अध्यक्ष हैं। उनकी अद्वितीय शैक्षिक यात्रा और शिक्षा में योगदान ने उन्हें अकादमिक क्षेत्र में एक अग्रणी व्यक्तित्व बना दिया है, और विशेष रूप से दिव्यांगजन के लिए वे एक प्रेरणा स्रोत हैं।

नवोदय सम्मान के साथ ₹21,000 का पुरस्कार भी प्रदान किया गया, जो उच्च शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए बाधाओं को तोड़ने के उनके सतत प्रयासों की सराहना करता है। पिछले वर्षों से, प्रो. अहमद समावेशी शिक्षा के लिए एक मजबूत अधिवक्ता रहे हैं और उन्होंने सुनिश्चित किया है कि दिव्यांग छात्रों को उचित सहायता और अवसर मिलें।

पुरस्कार प्रदान करते हुए, श्री बृजेश पाठक जी ने प्रो. अहमद की असाधारण उपलब्धियों की सराहना की और एक समावेशी समाज के निर्माण के महत्व पर जोर दिया, जहां सभी क्षमताओं वाले लोग समान अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्रो. अहमद की संघर्ष, नेतृत्व और उत्कृष्टता की भावना को सराहा और कहा कि वे छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

पुरस्कार प्राप्त करने पर, प्रो. मुशीयर अहमद ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए समर्पित हैं जहां हर बच्चे को, चाहे उनकी क्षमताएं कुछ भी हों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुरस्कार न केवल उनकी व्यक्तिगत यात्रा का सम्मान करता है, बल्कि उन सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों को भी स्वीकार करता है, जो समावेशी शिक्षा को वास्तविकता बनाने में जुटे हैं।

नवोदय सम्मान यह याद दिलाता है कि समानता और समावेशन का मार्ग उन व्यक्तियों के समर्पण और दृढ़ संकल्प से तैयार होता है, जो समाज में परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं, और प्रो. अहमद इस दिशा में एक प्रेरणा बने हुए हैं।

Date:19/02/2025

भाषा विवि में हुआ बज़मे अदब के तत्वावधान में साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

ग़ज़ल उन विषयों को शुद्ध करती है जिनकी अभिव्यक्ति हमारे समाज में दोष मानी जाती है: प्रोफेसर फ़ख़रे आलम

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक कार्यक्रम के अवसर पर प्रोफेसर फ़ख़रे आलम ने अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ग़ज़ल का चमत्कार यह है कि यह उन विषयों को शुद्ध करती है जिनकी अभिव्यक्ति हमारे समाज में दोष मानी जाती है। इसीलिए ग़ज़ल के कवि ऐसे कई विषयों, भावनाओं और अनुभूतियों को ग़ज़ल के रूप में व्यक्त करते हैं जिन्हें किसी अन्य माध्यम से व्यक्त करना कठिन लगता है। ऐसा इसलिए संभव है क्योंकि ग़ज़ल बाहरी घटनाओं,समस्याओं और विषयों को आंतरिक भावनाओं के साथ सामंजस्य स्थापित करके निर्मित की जाती है। वास्तव में ग़ज़लें स्वयं को समझने से लेकर ब्रह्मांड को समझने तक का सफ़र तय करती हैं और पाठक को नई दुनिया की सैर कराती हैं। इसके साथ ही उन्होंने उर्दू ग़ज़ल के क्रमिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। प्रोफेसर फ़ख़रे आलम ने कहा कि उर्दू ग़ज़ल के विकास का इतिहास बहुत ही रोचक और आश्चर्यजनक है। इस इतिहास में कुछ ऐसे स्थान हैं जो यह साबित करते हैं कि ग़ज़ल की विकास यात्रा आलोचकों के इस विधा के प्रति असंतुलित रवैये के बावजूद जारी रही। उन्होंने कहा कि ग़ज़ल की दो पंक्तियों में अर्थों की एक दुनिया बसती है, जिसे केवल एक परिपक्व नज़र ही समझ सकती है जो ग़ज़ल की परंपरा और इस परंपरा से जुड़ी सभ्यता से परिचित हो, जो ग़ज़ल के चरित्र और सार को आकार देने में महत्वपूर्ण हैं। प्रोफेसर फ़ख़रे आलम ने अमीर खुसरो और दक्कन के प्राचीन कवियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उर्दू ग़ज़ल अपने आरंभ से ही कविता और साहित्य प्रेमियों के स्वाद को संतुष्ट करती रही है और जब यह परंपरा दिल्ली और लखनऊ के माध्यम से वर्तमान युग में पहुंची तो इस शैली ने शाब्दिक और अर्थ के स्तर पर इतनी विविधता प्राप्त कर ली कि यह हर युग की समस्याओं और मुद्दों की व्याख्या करने का एक प्रभावी साधन बन गई। उन्होंने ग़ज़ल की रूमानी मधुरता को इसकी विशिष्टता बताते हुए कहा कि शायरी में विधाओं के स्तर पर जितने भी प्रयोग हुए, वे मधुरता के स्तर पर वह विशिष्टता हासिल नहीं कर सके जो उर्दू ग़ज़ल की नियति बन गई और भाषा के परिष्कार के बावजूद यह विशिष्टता आज भी इस विधा के लिए अद्वितीय है। डॉ. मोहम्मद वसी आज़म अंसारी ने बज़्मे अदब के उद्देश्यों पर बात करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों की साहित्यिक और काव्यात्मक रुचि को बढ़ाना है और साथ ही छात्रों के भीतर

छिपे हुए प्रतिभाओं को बाहर निकालना है। उन्होंने बज़्मे अदब के सदस्यों को एक सुंदर और सार्थक उत्सव के आयोजन के लिए बधाई भी दी। इस साहित्यिक कार्यक्रम में हसन अकबर ने "अलामत, इस्तेआरा और तशबीह", ताहिरा ख़ातून ने "समकालीन समय में उर्दू गज़ल गोई", उर्फी खानम ने " उर्दू ग़ज़ल में अलामत निगारी" और अनवरी खान ने " ग़ज़ल के अहम मौज़ुआत" के विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में बी.ए.,एम.ए. और शोध छात्रों औन मोहम्मद, हसन अकबर, अलीशा रिज़वी ,मुहम्मद तरीफ ,ज़ाकिर हुसैन,महवश,अनम अब्दुल्ला,आमना परवीन और निदा परवीन ने अलग -अलग कवियों की ग़ज़लों को पेश किया । इस अवसर पर प्रो. सौबान सईद, डॉ.अकमल शादाब, डॉ. आज़म अंसारी, डॉ. ज़फरुन नकी, डॉ मुनव्वर हुसैन, डॉ. सिद्धार्थ सुदीप, डॉ.मूसी रज़ा और डॉ. खेसाल ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

Date:20/02/2025

भाषा विवि में विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम हुआ जारी

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हाल ही में सम्पन्न हुई विभिन्न विषम परीक्षाओं का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। बताते चले कि सत्र 2024-25 की विषम परीक्षाओं के परिणाम में परास्नातक के एम कॉम, शिक्षा शास्त्र विषयों की प्रथम छमाही तथा पीजी डिप्लोमा (सीएमआई), पीजी डिप्लोमा उर्दू, यूजी डिप्लोमा (अरबी और जीएसटी) और सर्टिफिकेट इन प्रोफिशिएंसी ऑफ फ्रेंच के प्रथम छमाही के परीक्षा परिणाम भाषा विश्वविद्यालय की समर्थ वेबसाइट www.samarthkmclu.ac.in/पर जाकर देख सकते हैं। परिणाम से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

Date:21/02/2025

भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में स्वयं -एन०पी०टी०एल मेंटर्स के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में स्वयं मेंटर्स के लिए एक विशेष हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. जे. पी. पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को स्वयं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग हेतु आवश्यक कौशल प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, नोडल अधिकारी, स्वयं रहीं। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व किया और उपस्थित शिक्षकों को स्वयं प्लेटफॉर्म पर पाठ्यक्रम प्रबंधन, ऑनलाइन शिक्षण तकनीकों और आकलन प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। साथ ही, उन्होंने मेंटर्स द्वारा छात्र पंजीकरण में आने वाली चुनौतियों का समाधान भी किया, जिससे प्लेटफॉर्म के सुचारू संचालन में मदद मिलेगी।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कुलसचिव डॉ. महेश कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने भाग लिया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन कोर्स रजिस्ट्रेशन, स्वयं गाइडलाइंस, मेंटर की ज़िम्मेदारियों के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही मूल्यांकन पद्धतियों को लागू करने और छात्रों की प्रगति पर निगरानी रखने के तरीकों पर व्यावहारिक अनुभव दिया गया।

डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने स्वयं प्लेटफॉर्म की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो शिक्षकों और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायक है। उन्होंने इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को डिजिटल शिक्षा के प्रति जागरूक और सशक्त बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी बताया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी इस तरह के और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर डॉ काज़िम, डॉ शचींद्र, डॉ नसीब, डॉ आफ़रीन सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

भाषा विवि में विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम हुआ जारी

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हाल ही में सम्पन्न हुई विभिन्न विषम परीक्षाओं का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। बताते चले कि सत्र 2024-25 की विषम परीक्षाओं के परिणाम में बी.फार्मा की प्रथम छमाही तथा बीटेक लेटरल एंट्री(सिविल, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और एआईएमएल)के प्रथम छमाही के परीक्षा परिणाम भाषा विश्वविद्यालय की समर्थ वेबसाइट www.samarthkmclu.ac.in/पर जाकर देख सकते हैं। परिणाम से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

Date:22/02/2025

भाषा विवि में हुआ आरटीआई कार्यशाला का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में सूचना का अधिकार अधिनियम के एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अटल हॉल में किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रो. जे पी पांडेय के नेतृत्व में सूचना का अधिकार अधिनियम के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के अटल सभागार में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव और प्रथम अपीलीय अधिकारी डॉ. महेश कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन कर हुए। इसके बाद विधि संकाय की सहायक प्रोफेसर डॉ. दीक्षा मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम ने विश्वविद्यालय को संबोधित करते हुए कहा कि सूचना का अधिकार आम आदमी का अधिकार है। सरकारी सूचना पाना आपका अधिकार है। लोकतंत्र के लिए अपीलीय और शिकायत जन सूचना के संदर्भ में अति आवश्यक है। कार्यशाला के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. राहुल सिंह, टीम हेड, आरटीआई ऑनलाइन एंड स्टेट रिसॉर्स पर्सन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिये आरटीआई के तहत सूचना प्राप्त कर सकते हैं। छात्र सूचनाओं के माध्यम से जागरूक हो सकते हैं। डॉ. सिंह ने सूचना की महत्ता पर बल देते हुए मास्टर की टू गुड गवर्नेंस की संकल्पना को आधार बताया। आपने सूचना को वस्तुनिष्ठ बताया और कहा कि सूचनाओं में आपके रिकॉर्ड, नक्शे, मॉडल आदि शामिल हो सकते हैं। इस एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने वर्कशॉप के लाभ को बताते हुए इससे शिक्षित होने की बात कही। विद्यार्थियों को सूचना की महत्ता को रेखांकित किया। डॉ. कुमार ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन भी ज्ञापित किया। एक दिवसीय कार्यशाला का धन्यवाद ज्ञापन विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. मसूद आलम ने किया। कार्यशाला का संचालन डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी ने किया। कार्यक्रम के दौरान भाषा विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी साजिद आज़मी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. भावना मिश्रा, प्रो.सौबान सईद, प्रो. चन्दना डे, प्रो. एहतेशाम, प्रो. हैदर अली सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद मे उपस्थित रहे।

भाषा विवि में हुआ आर्टिफिशल इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग पर सेमिनार

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "Artificial Intelligence and Machine Learning: Concepts and Applications" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री अदील हसन, डेटा साइंटिस्ट, OPCODE Academy द्वारा AI और ML के प्रमुख सिद्धांतों, एल्गोरिदम और वास्तविक जीवन में उनके अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री अदील हसन ने Supervised Learning, Unsupervised Learning और Neural Networks जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओं को स्पष्ट किया। उन्होंने Data Preprocessing, Model Training और Performance Evaluation पर व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से चर्चा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने Deep Learning, Computer Vision और Natural Language Processing (NLP) जैसी उन्नत तकनीकों का परिचय दिया और उनके विभिन्न उद्योगों में उपयोग पर प्रकाश डाला। सेमिनार के संयोजक डॉ. मज़हर ख़ालिक़, विषय प्रभारी, सह-समन्वयक के रूप में डॉ. रज़ा अब्बास हैदरी, सहायक प्रोफेसर, और सुश्री शगुफ्ता खान, सहायक प्रोफेसर (अस्थायी) भी उपस्थित रहे। विभाग के सभी शिक्षकगण और BCA एवं MCA के छात्र एवं छात्राएँ इस सेमिनार में उपस्थित रहे और उन्होंने व्यावहारिक प्रदर्शन (Practical Demonstration) और प्रश्नोत्तर सत्र (Q&A Session) में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस सेमिनार का उद्देश्य छात्रों को AI और ML तकनीकों की गहरी समझ प्रदान करना और उन्हें प्रयोगात्मक दृष्टिकोण से सीखने के लिए प्रेरित करना था। इस प्रकार के सेमिनार छात्रों के तकनीकी कौशल को विकसित करने और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

Date:23/02/2025

नेट परीक्षा में सफलता: हाला जमा, मुस्कान सोनी और संजना सिंह ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की छात्रा हला जमा ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर पीएचडी प्रवेश के लिए योग्यता प्राप्त की है।

इसी क्रम में, अंग्रेजी विभाग की मुस्कान सोनी ने नेट परीक्षा पास कर अपनी विद्वत्ता साबित की, जबकि वाणिज्य विभाग की संजना सिंह ने नेट परीक्षा में जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) क्वालिफाई कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।

कुलपति प्रो. जे. पी. पांडेय ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

Date:23/02/2025

success in NET exam: Hala zama, Muskan Soni and Sanjana Singh achieved great achievement

Lucknow. Students of Khwaja Moinuddin Chishti Language University have excelled in the National Eligibility Test (NET). Hala zama, a student of the business administration department of the university, has qualified for PhD admission by clearing the net exam.

In the same order, Muskan Soni of the English Department proved herself by clearing the NET exam, while Sanjana Singh of the Department of Commerce has increased the honour of the university by qualifying JRF (Junior Research Fellowship) in the NET exam.

Vice-Chancellor Prof. J. P. Congratulating all the successful students, Pandey said that this achievement is the result of their hard work and dedication. He wished the students a bright future and hoped that they would set new records in the field of education and research

Date:24/02/2025

भाषा विश्वविद्यालय में "ईवीएम बनाम मतपत्र" पर संसदीय बहस आयोजित

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में "ईवीएम बनाम मतपत्र: निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव" विषय पर एक संसदीय बहस सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विभाग के सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की और विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए।

इस बहस सत्र का आयोजन डॉ. मोहम्मद नसीब के संयोजन में किया गया, जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रुचिता सुजय चौधरी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। आयोजन समिति में प्रमुख रूप से श्वेता चौरसिया, अर्णव कुमार सिंह और शशि यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को सम्मानित किया गया। विषय के पक्ष में सलमान ने प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए, जबकि विपक्ष में अविशाकर, अर्शद और शबाज ने अपने विचार मजबूती से रखे। सभी प्रतिभागियों ने अपने विचारों को तार्किक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे दर्शकों को एक ज्ञानवर्धक एवं सूचनात्मक बहस का अनुभव प्राप्त हुआ।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी तार्किक तथा विश्लेषणात्मक क्षमताओं का विकास करना था। इस अवसर पर विभाग से डॉ काज़िम रिज़वी, डॉ शचीन्द्र शेखर सहित समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Date:24/02/2025

भाषा विवि के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने किया जलकल विभाग का शैक्षणिक भ्रमण

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में माननीय कुलपति प्रो. जे. पी. पाण्डेय के कुशल निर्देशन में विश्वविद्यालय में संचालित सिविल इंजीनियरिंग विभाग के द्वितीय एवम तृतीय वर्ष के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत जलकल विभाग,नगर निगम, ऐशबाग लखनऊ द्वारा संचालित जल उपचार संयंत्र का भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को जल उपचार प्रक्रिया और स्वच्छ जल आपूर्ति के महत्व से अवगत कराना था, ताकि वे जल के संरक्षण और इसके उपयोग के बारे में बेहतर समझ प्राप्त कर सकें।

इस दौरे के दौरान छात्रों को जलकल विभाग के अधिकारी श्री महेंद्र कुमार द्वारा जल शोधन, प्रदूषण नियंत्रण और जल आपूर्ति से संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों को यह बताया गया कि जल उपचार संयंत्र किस प्रकार गंदे पानी को शुद्ध करके इसे पीने योग्य बनाता है और किस तरह से जल के सही उपयोग और संरक्षण से जल संकट की समस्याओं को कम किया जा सकता है।

जल उपचार संयंत्र में छात्र विभिन्न तकनीकी पहलुओं, जैसे जल शोधन प्रक्रिया, पानी के पुनर्चक्रण और जल वितरण के बारे में सीखने में सक्षम हुए। इस दौरान, विद्यार्थियों ने जल शोधन के प्रमुख चरण संग्रह, प्रारंभिक छानना , कोगुलेशन और फ्लोकुलेशन , सैडिमेंटेशन , फिल्ट्रेशन , वायरस और बैक्टीरिया का नाश , पानी का संग्रह , वितरण का अवलोकन किया| दौरे के अंत में, छात्रों ने जलकल विभाग के अधिकारियों से सवाल-जवाब किए और जल संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न पहलुओं पर गहरी जानकारी प्राप्त की। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के प्रभारी निदेशक डॉ आर. के. त्रिपाठी ने इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण को छात्रों के सर्वांगीण विकास एवं ज्ञानवर्धक में सहायक होती हैं। प्रभारी निदेशक ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण अन्य विभागों द्वारा भी कराया जाएगा| छात्रो के साथ विषय प्रभारी कौशलेश शाह, अभिषेक अवस्थी और सहायक प्रोफेसर इं. आस्था चौरसिया उपस्थित रहे| छात्रो ने इस शैक्षणिक भ्रमण को अत्यंत लाभकारी और प्रेणादायक बताया और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया|

भाषा विश्वविद्यालय: राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 4 द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

लखनऊ, 24 फरवरी, 2025: आज ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए रहौडा पुरवा गांव में एक सप्ताह तक चलने वाले विशेष शिविर की शुरुआत की। यह विशेष शिविर 24 फरवरी से 2 मार्च तक चलेगा। इस विशेष शिविर में एनएसएस स्वयंसेवक न केवल गांव के भीतर विभिन्न कल्याणकारी और सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे बल्कि विभिन्न स्तरों पर जनता के बीच जागरूकता फैलाने का काम भी करेंगे। इस सप्ताह भर चलने वाले विशेष शिविर की शुरुआत में डा. ज़फरून नकी ने एनएसएस स्वयंसेवकों से एनएसएस के महत्व और लाभों पर चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए जागरूकता पैदा करती है और समाज और समाज की जिम्मेदारियों की समझ पैदा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब छात्र गांव के लोगों से मिलते हैं, तो साक्षर और निरक्षर के बीच की खाई कम होती है और साथ ही उन्हें समाज और समाज के हाशिये पर रहने वाले लोगों की समस्याओं और परेशानियों को जानने और समझने का मौका मिलता है। डॉ ज़फरून नकी ने यह भी एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक सप्ताह के विशेष शिविर के अंतर्गत गांव के लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा तथा इस शिविर में विभिन्न विषयों के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता आएगी।आज विद्यार्थियों ने गांव के लोगों से मिलकर गांव में सामाजिक एवं चिकित्सीय स्तर पर समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की, ताकि वे इन समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से चर्चा कर सकें। इसके बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव के लोगों को तंबाकू एवं नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान एवं इससे होने वाले विनाश के बारे में भी जानकारी दी तथा कहा कि धूम्रपान एवं नशीले पदार्थ न केवल आपके शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि आपके परिवार के लिए भी समस्याएं पैदा करते हैं। इस विशेष शिविर में एनएसएस स्वयंसेवक उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं तथा लगातार सात दिनों तक इस शिविर में उन्होंने न केवल अन्य सामाजिक एवं चिकित्सीय समस्याओं पर चर्चा की इस पर चर्चा की जाएगी तथा सभी स्तरों पर गांव के लोगों को शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

वहीं दूसरी तरफ़ राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई 4 द्वारा चक्करपूर्वा ग्राम में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है।

शिविर के पहले दिन एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित किया और विभिन्न जागरूकता अभियानों की रूपरेखा तैयार की। इस अवसर पर प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अभय कृष्ण ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया।

इस सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियाँ एवं शिक्षा संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। शिविर में स्वयंसेवकों को ग्रामीण जीवन की समस्याओं को समझने और उनके समाधान हेतु कार्य करने का अवसर मिलेगा।

एनएसएस इकाई 4 के इस प्रयास का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना और उन्हें जनसेवा के प्रति जागरूक बनाना है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० जे० पी० पांडेय ने इस पहल की सराहना की और इसे विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

Date:25/02/2025

भाषा विवि में हुआ उद्यमिता पर सेमिनार का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग व ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम UPES यूनिवर्सिटी देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमिता/ स्टार्ट योर ओन बिज़नस विषय पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन किया गया।

प्रोग्राम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना एवम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। सेशन का स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद द्वारा इंटरैक्टिव सेशन व प्रमुख वक्ता के परिचय देते हुए कहा कि यह प्रोग्राम का मुख्य रूप नई उम्र के बच्चों में कैसे एंटरप्रेन्योरशिप की अवधारणा का विकास हो पर केंद्रित है।

प्रोग्राम में गेस्ट ऑफ हॉनर श्री अनिरुद्ध यादव जी रहे जिन्होंने सेशन की रुपरेखा और स्टार्टअप के भविष्य के बारे में बताया।

इंटरैक्टिव सेशन की मुख्य अतिथि श्रीमती स्वरलीन कौर (UN speaker and Awardee, Padam shri Nominee) रही जिन्होंने स्टार्टअप के स्वरूप, आइडिया और कुछ प्रमुख स्टार्टअप सक्सेस स्टोरी जैसे टेक गार्डन, जोमैटो आदि के बारे में बताया साथ ही स्टार्टअप आइडिया के बारे में बताते हुए कहा कि जो किसी प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशंस है वही आइडिया है एवं आइडिया ही किसी स्टार्टअप की नींव है।

सेशन का संचालन डॉ ज़ैबून निसा (सहा. आचार्य) द्वारा किया गया। सेशन में वाणिज्य विभाग से साथ साथ अन्य विभागों के बच्चों सहित लगभग 70 बच्चों ने हिस्सा लिया।

अंत में सेशन के सफल आयोजन हेतु सभागार में आए हुए समस्त आगंतुओं का धन्यवाद ज्ञापन कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ वसी अहमद आज़म अंसारी (उर्दू विभाग), सुश्री आफ़रीन फातिमा, डॉ. अनुभव तिवारी, श्री रंजीत वर्मा,आएशा अलीम, सैय्यद अली ज़ुहैर ज़ैदी, शिवम् चतुर्वेदी, स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर में नमरा रफत, सफ़ीया, ज़ैनब, महजबी, रूबाब आदि लोग उपस्थित रहे।

Date:28/02/2025

भाषा विवि में हुआ एमएस एक्सेल कार्यशाला का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में "शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए एमएस एक्सेल में महारत" पर सफल कार्यशाला का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू) के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग और प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर जे.पी. पांडेय के कुशल मार्गदर्शन में 28 फरवरी और 1 मार्च 2025 को "शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए एमएस एक्सेल में महारत" नामक दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केएमसीएलयू के कंप्यूटर लैब, दूसरी मंजिल, अकादमिक ब्लॉक में आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और प्रशासनिक कर्मचारियों का उत्साह एवं भागीदारी देखी गई।

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों को संभालने में उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत एमएस एक्सेल कौशल से लैस करना था। कार्यशाला में डेटा-संचालित निर्णय लेने पर बढ़ती निर्भरता और एक्सेल के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसमें डेटा विश्लेषण, विज़ुअलाइज़ेशन, पिवट टेबल, उन्नत सूत्र और स्वचालन तकनीकें शामिल रही।

तकनीकी सत्र पुणे स्थित वित्तीय विश्लेषक श्री विनय कुमार चौबे के नेतृत्व में हुआ उन्होंने व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. सैयद हैदर अली ने कहा कि "यह कार्यशाला सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने के लिए डिज़ाइन की गई है। प्रो.अली ने बताया कि एमएस एक्सेल आज की पेशेवर दुनिया में एक कुशलता है। इस कार्यशाला से प्राप्त कौशल न केवल शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्पादकता को बढ़ाएंगे बल्कि हमारे छात्रों की रोजगार क्षमता में भी सुधार करेंगे। हम भविष्य में इस तरह की कौशल-निर्माण पहल को आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

प्रतिभागियों ने कार्यशाला की प्रासंगिकता और प्रशिक्षण सत्रों की स्पष्टता को उजागर करते हुए इसकी सराहना व्यक्त की। एक प्रतिभागी ने कहा, "यह कार्यशाला अविश्वसनीय रूप से अंतर्दृष्टिपूर्ण थी। मैंने ऐसी तकनीकें सीखीं जो मेरे काम के घंटों को बचाएंगी और डेटा को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में मेरी मदद करेंगी।"

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग और प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने बताया कि कौशल विकास को बढ़ावा देने

और छात्रों और कर्मचारियों को आधुनिक कार्यस्थल की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए इसी तरह की कार्यशालाओं का आयोजन जारी रखने की योजना भाषा विश्वविद्यालय लगातार बना रहा है। कार्यशाला में प्रो. मसूद आलम, प्रो. सौबान सईद, प्रो. एहतेशाम अहमद, प्रो. फखरे आलम, प्रो. तनवीर ख़दीजा, डॉ. तथहीर फातिमा सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाषा विवि में हुआ बायोटेक पार्क के साथ एमओयू

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू) और बायोटेक पार्क, लखनऊ ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अकादमिक और उद्योग जगत का समन्वय है, जिससे दोनों संस्थानों के बीच सहयोग और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। इस समावेश से ज्ञान, विशेषज्ञता और संसाधनों का आदान-प्रदान आसान हो सकेगा। यह एमओयू दोनों संस्थानों के शिक्षकों और वैज्ञानिकों को सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन , संयुक्त अनुसंधान परियोजनाये एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन को सरल बनाएगा, जिससे ज्ञान साझाकरण और क्षमता निर्माण किया जा सके। समझौते पर प्रोफेसर जे.पी. पाण्डेय, सीईओ, बायोटेक पार्क और श्री साजिद आज़मी, वित्त अधिकारी, केएमसीएलयू ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. नीरज शुक्ला, नोडल अधिकारी (एमओयू) केएमसीएलयू, प्रोफ़ेसर शालिनी त्रिपाठी, निदेशक, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी, श्री एस.सी. शुक्ला, वित्त अधिकारी, बायोटेक पार्क, प्रो ० बी० एन ० मिश्रा, सलाहकार, सीईओ बायोटेक पार्क एवं श्रीमती नेहा श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रेस विज्ञप्ति ३

विशेष शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों ने निकाली सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली

लखनऊ, 28 फरवरी, 2025: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में आयोजित एक सप्ताह तक चलने वाले विशेष शिविर के पांचवें दिन एनएसएस स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित यह रैली गोद लिए गांव रहौडा पुरवा की विभिन्न गलियों व सड़कों से होते हुए पंचायत घर पर समाप्त हुई। इस रैली के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने बिना हेलमेट के बाइक चला रहे लोगों को हेलमेट न पहनने के खतरों से अवगत कराया और लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। इस रैली में एनएसएस स्वयंसेवक अपने हाथों में बैनर भी लिए हुए थे और नारे भी लगा रहे थे ताकि सड़क सुरक्षा संदेश विभिन्न तरीकों से गांव के अन्य लोगों तक पहुंच सके।

रैली के अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज़फरुन नकी ने शिविर में उपस्थित एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोगों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है ताकि उनका जीवन और दूसरों का जीवन सुरक्षित हो सके। उन्होंने सावधानीपूर्वक और सुरक्षित ड्राइविंग पर ज़ोर दिया और वाहन चलाते समय सभी एहतियाती उपाय करने और विशेष रूप से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट बांधने और सड़क पर दूसरों की सुरक्षा के लिए गति सीमा का अनुपालन सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने यातायात नियमों के महत्व और उनका पालन करने पर प्रकाश डाला और कहा कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य आप सभी को आवश्यक यातायात नियमों से अवगत कराना है ताकि आप सड़कों का उपयोग करते समय जानलेवा दुर्घटनाओं से बचने के लिए विभिन्न सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जागरूक हो सकें और उनका पालन कर सकें। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट के महत्व के बारे में जानकारी दी ताकि वे जानलेवा दुर्घटनाओं से बच सकें। चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई। इस रैली में एनएसएस स्वयंसेवकों के अलावा अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

Press Release 4

Students of B.Tech Biotechnology, KMC Language University, Shine at National Science Day Celebration

Lucknow, 28th February 2025 – The students of B.Tech Biotechnology from Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, actively participated in the National Science Day Celebration held at Biotech Park, Lucknow in collaboration with Innovation Hub - AKTU. The event revolved around the theme "Biotech Synergies: Exploring Innovations, Policies, and Prospects in Biotechnology."

Under the guidance of faculty members Er. Rashi Shrivastava and Er. Dhirendra Singh, students Yashi Mishra and Saumya Mishra showcased their research and innovative ideas in a Poster Presentation Competition. Their outstanding presentation earned them the 2nd Runner-up position, marking a significant achievement for the university.

The event provided a valuable platform for students to explore advancements in biotechnology, engage with experts, and contribute to scientific discussions. The university extends heartfelt congratulations to the students and faculty for their remarkable efforts and success.

प्रेस विज्ञप्ति ४

बी.टेक जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन

भाषा विश्वविद्यालय के बी.टेक (बायोटेक) के विद्यार्थियों ने बायोटेक पार्क, लखनऊ में अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (AKTU) के इनोवेशन हब के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज की। इस वर्ष का आयोजन "बायोटेक सिनर्जीज़: जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार, नीतियां और संभावनाओं की खोज" विषय पर केंद्रित था।

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एर. राशी श्रीवास्तव और एर. धीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यशी मिश्रा और सौम्या मिश्रा ने पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में अपने शोध और नवाचारों का प्रभावी प्रदर्शन किया। उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति ने उन्हें द्वितीय उपविजेता (सेकंड रनर-अप) का स्थान दिलाया, जो विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए जैव प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति को समझने, विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित करने और वैज्ञानिक चर्चाओं में भागीदारी का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी।

प्रेस विज्ञप्ति ५

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अनेकता में एकता क्रांति मंच के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. जे.पी. पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में सीतापुर आंख अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण, दवाओं एवं चश्मों का वितरण किया गया।

शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने फीता काटकर किया। इस आयोजन में डॉ. आरती श्रीवास्तव (सह-अध्यक्ष, अनेकता में एकता एनजीओ), सैय्यद ज़ीशान कदीर और डॉ. अज़ीम का विशेष योगदान रहा।

शिविर के दौरान वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. विभोर महेंद्रु ने कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने कैंसर के विभिन्न चरणों की जानकारी दी और उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रश्नों का समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों की आंखों की जांच की गई और उन्हें आवश्यक दवाएं एवं चश्मे वितरित किए गए। इस शिविर में 238 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नेत्र परीक्षण कराया।

इस सफल आयोजन में डॉ. नीरज शुक्ला (कुलानुशासक) ने संयोजक, डॉ. रचिता सुजॉय चौधरी (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग) ने समन्वयक, और डॉ. काजिम असगर रिज़वी ने आयोजक सचिव की भूमिका निभाई।

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद, डॉ राजकुमार, डॉ शचींद्र शेखर, डॉ मनीष सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस स्वास्थ्य शिविर को समुदाय के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

Free Health Camp Organized at Khwaja Moinuddin Chishti Language University

Khwaja Moinuddin Chishti Language University, in collaboration with Anekta Mein Ekta Kranti Manch, organized a free health camp on Friday under the guidance of Hon'ble Vice-Chancellor Prof. J.P. Pandey. The initiative aimed to provide eye check-ups, medicines, and spectacles to students and faculty members, with medical expertise from Sitapur Eye Hospital.

The camp was inaugurated by Dr. Mahesh Kumar, Registrar of the University, who officially launched the health services by cutting the ceremonial ribbon. The event was coordinated by Dr. Aarti Srivastava, Co-Chairperson of Anekta Mein Ekta NGO along with Syed Zeeshan Qadir and Dr. Azeem.

A special awareness session on cancer prevention was conducted by Dr. Vibhor Mahendru, a senior cancer specialist, who provided valuable insights into different stages of cancer and addressed concerns raised by students and attendees.

During the camp, eye check-ups were conducted for children and necessary medications and spectacles were distributed. A total of 238 faculty members and students underwent eye examinations.

The event was efficiently managed by Dr. Neeraj Shukla, Proctor of the University, as the Convenor Dr. Ruchita Sujai Chowdhary, Head of the Department of Journalism and Mass Communication, as the Coordinator and Dr. Kazim Asgar Rizvi as the Organizing Secretary.

The camp witnessed active participation from faculty members, including Prof. Ehtesham Ahmed, Head of the Department of Commerce, and other esteemed professors further reinforcing the university's commitment to community health and well-being.

भाषा विवि में हुआ दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन

ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के विधि अध्ययन संकाय के तत्वधान में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम "Barrister Bash 2025" का आयोजन 27 व 28 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के संरक्षक माननीय कुलपति प्रो जे.पी.पांडे के संरक्षण में किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रो मसूद आलम, अधिष्ठाता विधि अध्ययन संकाय के द्वारा की गई। आयोजन में विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रोफेसर सौबान सईद, कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ला, कल्चरल कमेटी की चेयरपर्सन डॉ नलिनी मिश्रा ,व कार्यक्रम के समन्वयक श्री भानु प्रताप सिंह व विधि अध्ययन के समस्त शिक्षक गढ़ डॉ पीयूष त्रिवेदी, श्री रविकेश मौर्य, डॉ दीक्षा मिश्रा, श्री अंशुल पांडे, निधि सिंह व विभिन्न विभागों के अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे कार्यक्रम में कुल 17 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया जिसमें विधि अध्ययन संकाय के छात्रों ने सर्वाधिक मेडल जीतकर एवं संकाय ट्रॉफी प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतियोगिताओं में गायन में - इकरा नाज, हिंदी काव्य पाठ में - अमन कुमार त्रिपाठी, उर्दू शायरी में - सैय्यद फजल अब्बास नकवी, क्विज में- गौतम कुमार, नृत्य कला में - अंशिका , नो फायर कुकिंग में- आकांक्षा चौरसिया एवं अनस वहाब अंसारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किए इसके अतिरिक्त सामूहिक नृत्य मिमिक्री कोलाज मेकिंग,पोस्टर मेकिंग ,फोटोग्राफी, धरोहर पहचान ,मेहंदी, स्लोगन राइटिंग, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं शामिल रही। विधि अध्ययन संकाय की इस उपलब्धि पर विधि अध्ययन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) मसूद आलम ने सभी छात्रों को बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने की बात कही।